

Grant of Subsidy Against Soil Conservation Scheme in Andaman and Nicobar Islands

4489. SHRI MANORANJAN BHAKTA : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether Government have received proposal from Andaman and Nicobar Administration regarding grant of subsidy against soil conservation schemes in the Union Territory of A & N Islands;

(b) if so, when such proposals were received and whether any subsequent reminders were also received from the A & N administration;

(c) what action has been taken by his Ministry in the matter; and

(d) whether any communication has been sent by Government to the A & N Administration in this regard ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI YOGENDRA MAKWANA) : (a) and (b) Yes, Sir. A proposal for grant of subsidy to the individuals and cooperative societies availing the loan facility for taking up soil conservation works, planting and maintenance was received in November, 1980. However, no reminder has been received from the A & N administration.

(c) and (d) The matter was examined by this Ministry and the A & N Island Administration has been requested to furnish a complete proposal for all cases of granting subsidy on soil conservation works.

चीनी के सौदे में घाटा

4490. श्री वया राम शाक्य : क्या खाद्य और नागरिक पूर्ति मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली के

लोगों के लिए 1981 में खरीदी गई 28 हजार क्विंटल चीनी दिल्ली नहीं पहुँची है;

(ख) क्या यह भी सच है कि इस चीनी को मद्रास में ही वहाँ से खरीदने के बाद बेच दिया गया था;

(ग) चीनी के इस सौदे में सरकार को कितना घाटा हुआ;

(घ) घोटाले के इस सौदे में शामिल अधिकारियों का क्या ब्यौरा है और उनके विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई; और

(ङ) क्या सरकार का विचार इस सौदे की जांच कराने के लिए एक समिति गठित करने का है ?

इलेक्ट्रानिकी विभाग में तथा खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में उप मंत्री (श्री एम० एस० संजीवी राव) : (क) से (ग) दिल्ली प्रशासन ने सूचित किया है कि दिल्ली राज्य नागरिक पूर्ति निगम ने 1981 में 28,525 क्विंटल चीनी की खरीदारी की थी जिसमें से तमिलनाडु में खरीदी गई केवल 7156 क्विंटल चीनी इसलिए दिल्ली नहीं लाई गई थी कि क्योंकि उस समय के त्यौहार के मौसम के दौरान इसकी कमी होने की जो आशंका थी वह नहीं हुई। परिवहन-खर्च और मूल-प्रवृत्ति को ध्यान में रखकर, तमिलनाडु में खरीदी गई चीनी वहीं पर बेच दी गई थी और इस सौदे में जो हानि हुई वह 26.32 लाख रुपये की थी।

(घ) और (ङ) इस सौदे में शामिल अधिकारियों की जिम्मेदारी निर्धारित करने का प्रश्न, जो दोषी पाए गए उनके विरुद्ध